यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 7

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 01.10.2023)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न- 1. शब्दों को पहचान कर गाथा पूर्ण करे- **20**

1. रायरिसिं, उत्तमाए, पयाहिणं, वंदइ

.....

.....

2. पागारं, उस्सुलग, तओ, खत्तिया

.....

.....

3. सल्लं, कामे, कामा, अकामा

.....

.....

4. खलु, मग्गे, धरं सासयं

.....

.....

5. वालो भुंजए मासे कलं

.....

.....

6. असइं पउंजइ मुच्चई जणो

.....

.....

7. विउले जिट्ण जण्णे भोच्चा

.....

.....

8. णगरं सवरं खंति, दुप्पदंसयं

.....

.....

9. परियणं, मिहिलं चिच्चा भयवं

.....

.....

10. अग्गी, वायु, मंदिरं, भयवं

.....

.....

प्रश्न- 2. शब्दार्थ **10**

1. चइऊण

2. गवं

3. सक्को

4. मणिमुत्तं

5. चेइए

6. जवा

7. गंठिभए

8. असंते

9. अप्पाणं

10. अहमा

प्रश्न–3. रिक्त स्थान की पूर्ति करें– **15**

1. युगबाहु की पत्नी ..... थी।

2. जिन..... करके जीव का परम कल्याण होता है।

3. राजा के मन में .....भाव जागा।

4. उग्र तपस्या करके जीव का परम कल्याण होता है .....

5. वैद्य ने ..... शरीर पर लगाने को कहा।

6. ज्ञान की शोभा..... से है।

7. उत्तराध्ययन सूत्र के ..... का नाम नमी प्रव्रज्या है।

8. शुद्ध ..... पालने से जीव का परम कल्याण होता है।

9. रानीयों ने एक..... हाथ में रखकर शेष सभी उतार दिए।

10. इन्द्रिय दमन करने से जीव का परम कल्याण होता है .....

11. कपिल की माता का नाम ..... था।

12. अष्ट प्रवचन माता का थोकड़ा ..... सूत्र से लिया है।

13. श्रमणी परम्परा की पहली महाश्रमणी ..... है।

14. बाहुबली जी को कठोर साधना करते ..... मांस का समय बीत गया।

15. अर्हद्दासी के पुत्र का नाम ..... था।

प्रश्न- 4. परिभाषा लिखे- (2 लाइन में)- **5**

1. अवगाह दोष - .....

.....

2. संवसन दोष- .....

.....

3. गुप्ति- .....

.....

4. मौखर्य- .....

.....

5. धूम दोष- .....

.....

प्रश्न- 5. काव्याशं पूर्ण करे - **15**

1. ममता भरी.....

.....हो।

2. व्यक्तिवाद.....

.....रहे सदा।

3. तीनों भुवन.....

.....है जिसे।

4. झूठ.....

.....का प्याला।

5. भ्रमवश.....

.....कथन।

6. जिनवाणी.....

.....जय गान।

7. संघ श्रेय.....

..... श्वास मेरा।

8. जो शुभ .....

..... रहा तैयार।

9. कितना संग.....

..... रहा बेकार।

10. स्वार्थ मान.....

..... वरता है।

प्रश्न- 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो- **32**

1. सत्यमृषा वचन योग क्या है? उदाहरण सहित लिखे? (2)

.....

.....

.....

2. परिग्रह संज्ञा के चार कारण लिखे? (2)

.....

.....

.....

3. आत्मारम्भ व परारम्भ क्या है? (2)

.....

.....

.....

4. संज्ञा के आधार पर मनुष्यों का अल्पबहुत्व लिखे? (2)

.....

.....

.....

5. समाधि क्या है? व कितने प्रकार की है? (2)

.....

.....

.....

6. रोगोत्पत्ति के पहले दो कारण लिखे? (2)

.....

.....

.....

7. कामदेव श्रावक व सुदर्शन श्रावक के परम कल्याण के बोल लिखे? (2)

.....

.....

.....

8. विनय समाधि के चार कारण लिखे? (2)

.....

.....

.....

9. भाषा समिति क्या है व इसके भेद लिखे? (2)

.....

.....

.....

10. क्षमा के चार भेद कौन–कौनसे है? (2)

.....

.....

.....

11. उद्गम के 16 दोष का दोहा लिखे? (3)

.....

.....

.....

12. आहार करने व त्यागने के बोल की गाथा लिखे? (3)

.....

.....

.....

13. आलोचना के कोई दो दोहे लिखे? (3)

.....

.....

.....

14. उत्पादन के 16 दोष का दोहा लिखे? (3)

.....

.....

.....